Rajasthali Law Institute

Prelims test series

IPC AND CRPC CHAPTER 12-37

PAPER-8

IPC

1)The functional approach towards criminal law has been highlighted-/आपराधिक विधि के प्रति कृत्यात्मक दृष्टिकोण को उजागर किया है**-**

(a) Law Commission of India/भारत के विधि आयोग ने
(b) Supreme Court of India/भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने
(c) Wolfenden Committee of England/इग्लैंड की वुल्फेन्डेन समिति ने
(d) The Supreme Court of the United States/संयुक्त राज्य अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय ने

2)Indicate the correct statement among the following-/निम्नलिखित में से सही कथन को इंगित कीजिए**-**

(a) Crime is essentially an immoral act/अपराध अनिवार्यतः एक अनैतिक कृत्य है
(b) Crime is an illegal act/अपराध एक अवैधानिक कृत्य है
(c) Crime is essentially an anti-social act./अपराध अनिवार्यतः एक समाज विरोधी कृत्य है
(d) Crime is essentially an anti-religious act/अपराध अनिवार्यतः एक धर्म विरोधी कृत्य है

3)According to which section of the Indian Penal Code, the provisions of this Code shall also apply to any offence committed by a person targeting a computer device located in India and committing an offense in any place outside and beyond India?/भारतीय दण्ड संहिता की किस धारा के अनुसार, इस संहिता के उपबन्ध भारत में स्थित कंप्यूटर साधन को लक्ष्य करके भारत के बाहर और परे किसी स्थान में अपराध कारित करने वाले किसी व्यक्ति द्वारा किए गए किसी अपराध को भी लागू होंगे**?**

(a) Section 3/धारा 3
(b) Section 4(1)/धारा 4(1)
(c) Section 4(2)/धारा 4(2)
(d) Section 4(3)/धारा 4(3)

4)In view of the nature of the definition of person given in which of the following sections, homicide cannot be defined as the killing of a person by a person?/निम्न में से किस धारा में दी गई व्यक्ति की परिभाषा की प्रकृति को देखते हुए मानव वध को एक व्यक्ति द्वारा एक व्यक्ति की हत्या के रूप में परिभाषित नहीं किया जा सकता है**?**

(a) In Section 13 of the Indian Penal Code/भारतीय दण्ड संहिता की धारा 13 में
(b) In section 11 of the Indian Penal Code/भारतीय दण्ड संहिता की धारा 11 में
(c) Section 9 of the Indian Penal Code/भारतीय दण्ड संहिता की धारा 9 में
(d) Section 7 of the Indian Penal Code/भारतीय दण्ड संहिता की धारा 7 में

5)A clear distinction was observed by the Supreme Court of India between 'dishonestly' and 'fraudulently' -/भारतीय उच्चतम न्यायालय के द्वारा **'**बेईमानी से**'** एवं **'**कपटपूर्वक**'** के बीच एक स्पष्ट अंतर का संप्रेक्षण किया गया**-**

(a) Nathu Lal vs. State of Madhya Pradesh/नाथू लाल बनाम मध्य प्रदेश राज्य
(b) Central Bank of India vs. Narayan/ सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया बनाम नारायण
(c) Mubarak Ali vs. State of Bombay/ मुबारक अली बनाम बम्बई राज्य
(d) Vimala Devi vs Delhi Administration/विमला देवी बनाम दिल्ली प्रशासन

6)'A'a blind man was charged under section 292 of the Indian Penal Code for selling an obscene magazine, his defense being that he did not know that the magazine he sold was obscene -/'अ**.** एक अंधे व्यक्ति को अश्लील पत्रिका विक्रय करने के लिए भा**.** दं**.**सं**.** की धारा **292** के तहत आरोपित किया गया**,** उसका बचाव था कि उसे यह जानकारी नहीं थी कि जो पत्रिका उसने विक्रय की वह अश्लील थी**-**

(a)A will be successful because of the mistake of fact/तथ्य की मूल के कारण 'अ' सफल होगा
(b)A will fail/अ' असफल होगा
(c) The court has discretion/न्यायालय का विवेकाधिकार है
(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

7)The term 'unsound mind' is-/शब्दावली **'**विकृतचित्तता**'** को**-**

(a) Not defined in the Indian Penal Code./भारतीय दण्ड संहिता में परिभाषित नहीं किया गया है।

(b) Mentioned in the Indian Penal Code./भारतीय दण्ड संहिता में परिभाषित किया गया है।
(c) is not considered tantamount to insanity./पागलपन के समान नहीं माना जाता है।
(d) General exception is not considered in the Indian Penal Code./भारतीय दण्ड संहिता में साधारण अपवाद नहीं माना गया है।

8)Six people murdered a person, but only four people were arrested/छः व्यक्तियों ने एक व्यक्ति की हत्या कर दी, परतु केवल चार व्यक्ति ही गिरफ्तार किए गए **-**

(a) They can be found guilty under section 302/149 of the Indian Penal Code/ वे भारतीय दण्ड संहिता की धारा 302/149 में दोषी ठहराये जा सकते हैं
(b) They cannot be held guilty under section 302/149 of the Indian Penal Code/वे भारतीय दण्ड संहिता की धारा 302/149 में दोषी नहीं ठहराए जा सकते हैं
(c) They are only sections of the Indian Penal Code can be found guilty in section 302/ वे भारतीय दण्ड संहिता की सिर्फ धारा 302 में दोषी ठहराए जा सकते हैं
(d) They can be convicted under section 302/34 of the Indian Penal Code/वे भारतीय दण्ड संहिता की धारा 302/34 में दोषी ठहराए जा सकते हैं

9) Intent to cause death is not necessary in this clause of Section 300?/धारा **300** के इस खण्ड में मृत्यु कारित करने का आशय आवश्यक नहीं है**?**

(a) Firstly/(a) प्रथमतः
(b) Secondly / (b) द्वितीयतः
(c) Thirdly/(c) तृतीयतः

(d) Fourthly/ (d) चतुर्थतः

10)Which of the following is a crime in the Indian Penal Code, 1860 which is also related to body, mind, reputation and property?/भारतीय दण्ड संहिता**, 1860** में निम्न में से कौन-सा ऐसा अपराध है जो शरीर**,** मन**,** ख्याति तथा सम्पत्ति से भी संबंधित है**?**

(a) Offence of cheating/छल का अपराध
(b) Offence of trespass/अतिचार का अपराध
(c) Offence of mischief/रिष्टि का अपराध
(d) Offence of defamation/मानहानि का अपराध

CRPC

11)The Code of Criminal Procedure is the subject of which list of the Indian Constitution?/ दण्ड प्रक्रिया संहिता भारतीय संविधान के किस सूची का विषय है**?**
(a) Central list/केंद्रीय सूची
(b) State list/राज्य सूची
(c) Concurrent List/समवर्ती सूची
(d) residual inventory/अवशिष्ट सूची

12)Which of the following can be called the most amazing or unique feature of the Code of Criminal Procedure, 1973?/दण्ड प्रक्रिया संहिता**, 1973** की सबसे अद्भुत या अद्वितीय विशेषता निम्न में से किसे कहा जा सकता है**?**

(a) Separation of the executive from the judiciary/ कार्यपालिका का न्यायपालिका से पृथक्करण
(b) The period of detention suffered by the accused before the date of conviction during investigation, inquiry or trial is set off against the

period of imprisonment imposed on conviction./ अभियुक्त द्वारा अन्वेषण, जांच या विचारण के दौरान दोषसिद्धि की तारीख से पहले भोगी गई निरोध की अवधि का दोषसिद्धि पर अधिरोपित कारावास की अवधि के विरुद्ध मुजरा किया जाना
(c) speedy trial/शीघ्र विचारण
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

13)Which one of the following pairs is not matched?/निम्नलिखित युग्मों में से कौन एक सुमेलित नहीं है**?**

(a) Police report: Section 2 (r)/पुलिस रिपोर्ट : धारा 2 (घ)
(b) Cognizable offence: Section 2 (c)/संज्ञेय अपराध : धारा 2 (ग)
(c) Bailable offence: Section 2(v)/जमानतीय अपराध : धारा 2 (व)
(d) Investigation: Section 2 (h)/अन्वेषण : धारा 2 (ज)

14)A cognizable offence is triable ?/एक संज्ञेय अपराध विचारणीय है **?**

(a) Judicial Magistrate First Class/न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी
(b) By the Chief Judicial Magistrate/मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा
(c) By the Sessions Court/सत्र न्यायालय द्वारा
(d) by all of these/इन सभी द्वारा

15)In which of the following sections of the Code of Criminal Procedure 1973, the statutory definition of First Information Report is given?/दंड प्रक्रिया संहिता **1973** की निम्न किस धारा में प्रथम सूचना रिपोर्ट की संविधिक परिभाषा दी गई है**?**

(a) In section 154/धारा 154 में
(b) In section 155/धारा 155 में
(c) In mercury 156/पारा 156 में
(d) not defined/परिभाषित नहीं है

16) If the officer in charge of a police station refuses to register, an F.I.R. then According to section 154 of the Code of Criminal Procedure 1973 Who should send the abstract?/यदि किसी थाने का भारसाधक अधिकारी **F.I.R.** दर्ज करने से इन्कार कर देता है तो दं.प्र.सं. की धारा **154** के अनुसार **F.I.R.** का सार किसे भेजना चाहिए**?**

(a) District Collector (District Magistrate)/ जिला कलेक्टर (जिलाधीश)
(b) Superintendent of Police/ पुलिस अधीक्षक
(c) Chief Minister/मुख्यमंत्री
(d) Governor/राज्यपाल

17)Which of the following is a 'First Information Report' case?/निम्नलिखित में से कौन-सा एक **'**प्रथम सूचना रिपोर्ट पर **-** एक दिग्दर्शक वाद है**?**

(a) Lalita Kumari vs. U.P. State/ललिता कुमारी बनाम उ.प्र. राज्य
(b) Moti Ram vs. M.P. State/ मोती राम बनाम म.प्र. राज्य
(c) Abdul Kareem vs. State of Karnataka/अब्दुल करीम बनाम कर्नाटक राज्य
(d) Neelam Katara vs Union of India/नीलम कटारा बनाम भारत संघ

18)Under Section 160 of the Code of Criminal Procedure 1973, a person can be called as a witness by-/दण्ड प्रक्रिया संहिता **1973** की धारा **160** में एक व्यक्ति को साक्षी के रूप में किसके द्वारा बुलाया जा सकता है**-**

(a) By any police officer/किसी भी पुलिस अधिकारी द्वारा
(b) By the police station officer/थानाधिकारी द्वारा
(c) By the police officer who is investigating the case/उस पुलिस अधिकारी द्वारा जो उस मामले का अन्वेषण कर रहा है
(d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं

19)Where the investigation relates to an offence punishable with death, imprisonment for life or imprisonment for a term

exceeding ten years, what is the maximum period for which a Magistrate may authorize the detention of the accused in judicial custody?/जहां अन्वेषण ऐसे अपराध के संबंध में है जो मृत्यु, आजीवन कारावास या दस वर्ष से अधिक के कारावास से दण्डनीय है वहां मजिस्ट्रेट अभियुक्त को न्यायिक अभिरक्षा में अधिकतम किस अवधि के लिए निरोध करने के लिए प्राधिकृत कर सकेगा**?**

(a) 90 days/90 दिन
(c) 30 days/30 दिन
(b) 60 days/60 दिन
(d) 15 days/ 15 दिन

20)Which of the following provisions of the Code of Criminal Procedure provides that the investigation in relation to rape of a girl child should be completed within three months from the date on which the information was recorded in the police station?/दण्ड प्रक्रिया संहिता के निम्नलिखित उपबन्धों में से किसमें यह प्रावधान किया गया है कि बालिका के साथ बलात्संग के संबंध में अन्वेषण उस तिथि से, जिस तिथि को पुलिस थाने में इत्तिला अभिलिखित की गई थी, तीन माह के भीतर पूरा किया जाए**"?**

(a) Section 173(1)/धारा 173(1)
(b) Section 173 (1A)/धारा 173 (1A)
(c) Section 172(2)/धारा 172(2)
(d) Section 173(3)/ धारा 173(3)

21)Ordinarily place of trial is -/सामान्यतः विचारण का स्थान है **-**

(a) where the offence has been committed/(a) जहां अपराध किया गया है
(b) where the victim resides/(b) जहां पीड़िता रहती है
(c) where the accused resides/(c) जहां आरोपी रहता है
(d) where the FIR is lodged/(d) जहां एफआईआर दर्ज की गई है

22)An offence of theft can be tried by a Court under whose jurisdiction-/चोरी के अपराध का मुकदमा उस न्यायालय द्वारा चलाया जा सकता है जिसके अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत**-**

(a) the theft has been committed/(a) चोरी की गई है
(b) the stolen property is found in possession of thief/(b) चोरी की गई संपत्ति चोर के कब्जे में पाई गई है
(c) the stolen property is kept by the accused knowing it to be stolen/(c) चोरी की गई संपत्ति को आरोपी ने यह जानते हुए भी रखा है कि यह चोरी हुई है
(d) Any of the above./(d) उपरोक्त में से कोई भी।

23)Where two Courts subordinate the same High Court have taken cognizance of the same offence and a ques- tion arises as to which of them shall try that offence./जहां एक ही उच्च न्यायालय के अधीनस्थ दो न्यायालयों ने एक ही अपराध का संज्ञान लिया है और यह प्रश्न उठता है कि उनमें से कौन उस अपराध का विचारण करेगा।

(a) the question shall be decided by any one of these Courts./(a) प्रश्न का निर्णय इनमें से किसी एक न्यायालय द्वारा किया जाएगा।
(b) the question cannot be decided by any Court./(b) प्रश्न का निर्णय किसी न्यायालय द्वारा नहीं किया जा सकता है।
(c) the question shall be decided by the concerned High Court./ (c) प्रश्न का निर्णय संबंधित उच्च न्यायालय द्वारा किया जाएगा।
(d) the question can be left to the parties./(d) प्रश्न पार्टियों पर छोड़ा जा सकता है।

24)Who can give information regarding the commission of a cognizable offence under Section 154 of the Code of Criminal Procedure?/दंड प्रक्रिया की संहिता की धारा **154** के अंतर्गत संज्ञेय अपराध के घटित होने संबंधी सूचना कौन दे सकता है**?**

(a) Only the victim himself/(a) केवल स्वयं पीड़ित व्यक्ति

(b) Dependents of the victim only/(b) केवल पीड़ित व्यक्ति के आश्रित
(c) Only relatives of the victim/(c) केवल पीड़ित व्यक्ति के संबंधी
(d) Any person/(d) कोई भी व्यक्ति

25)Which of the following is correctly matched?/निम्नलिखित में से कौन-सा सही सुमेलित है**?**

(a) Information in cognizable cases - Section 154/(a) संज्ञेय मामलों में इत्तिला - धारा 154
(b) Power of police officer to require attendance of witnesses – Section 161/ (b) साक्षियों की हाजिरी की अपेक्षा करने की पुलिस अधिकारी की शक्ति- धारा 161
(c) Search by police officer -Section 166/(c) पुलिस अधिकारी द्वारा तलाशी धारा 166
(d) When the evidence is sufficient then the cases are decided by the Magistrate. Being/(d) जब साक्ष्य पर्याप्त है तब मामलों का मजिस्ट्रेट के पास भेज दिया जाना - धारा 171 sent away - Section 171/

26)Permission for investigation of non-cognizable offence may be granted-/असंज्ञेय अपराध के अन्वेषण की अनुमति दी जा सकेगी**-**

(a) By a Magistrate in any part of India/(a) भारत के किसी भी हिस्से के मजिस्ट्रेट द्वारा
(b) By a Magistrate of any part of the State/(b) प्रदेश के किसी भी हिस्से के मजिस्ट्रेट द्वारा
(c) By a Magistrate having jurisdiction to try that offence./(c) उस अपराध के विचारण का क्षेत्राधिकार रखने वाले मजिस्ट्रेट द्वारा
(d) By the Sessions Judge/(d) सत्र न्यायाधीश द्वारा

27) In which of the following cases it has been decided that the.Under section 161(2) of the Crpc, a person has a right to receive protection from questions the answers to which would tend to expose him to criminal charge?/निम्नलिखित में से किस मामले

में यह निर्णीत किया गया है कि दं.प्र.सं. की धारा **161 (2)** के अधीन एक व्यक्ति संरक्षण प्राप्त करने का अधिकार रखता है उन प्रश्नों जिनके उत्तरों की प्रवृत्ति उसे आपराधिक आरोप की आशंका में डालने की है**?**

(a) Nandini Satpathy vs. P.L. Dani/(a) नन्दिनी सत्पथी बनाम पी.एल. दानी
(b) Gyan Singh vs. State/(b) ग्यानसिंह बनाम राज्य
(c) Rupan Deval Bajaj vs. K.P.S. gill/(c) रुपन देवल बजाज बनाम के.पी.एस. गिल
(d) R. K Dalmiya vs Delhi Administration/(d) आर. के डालमिया बनाम दिल्ली प्रशासन

28)Can a Magistrate record a confession under Section 164 of the Code of Criminal Procedure, 1973?/दण्ड प्रक्रिया संहिता**, 1973** की धारा **164** के तहत संस्वीकृति मजिस्ट्रेट अभिलिखित कर सकता है **?**

(a) During trial/विचारण के दौरान
(b) During investigation/अन्वेषण के दौरान
(c) During trial or investigation/विचारण या अन्वेषण के दौरान
(d) In the course of investigation but before the commencement of inquiry or trial/अन्वेषण के दौरान लेकिन जाँच
या विचारण शुरू होने से पहले

29)What methods of taking cognizance of crimes are given by the Magistrate in the Code of Criminal Procedure?/दंड प्रक्रिया संहिता में मजिस्ट्रेट द्वारा अपराधों के संज्ञान लिए जाने के कौन-से तरीके दिए गए है**?**

(a) Only on receipt of complaint/(a) केवल परिवाद प्राप्त किए जाने पर
(b) Only on the basis of police report/(b) केवल पुलिस रिपोर्ट के आधार पर
(c) Only on receipt of information in addition to the police report/ (c) केवल पुलिस रिपोर्ट के अतिरिक्त सूचना प्राप्त होने पर
(d) All of the above/ (d) उपरोक्त सभी

30)Under which section can a Magistrate restrain the accused from personal appearance?/एक मजिस्ट्रेट किस धारा के तहत अभियुक्त को व्यक्तिगत उपस्थिति से निवारित कर सकता है**?(Jharkhand (CJ) 2018)**

(a) Section 204, CrPC/(a) धारा 204, CrPC
(b) Section 205, CrPC/(b) धारा 205, CrPC
(c) Section 206, CrPC/(c) धारा 206, CrPC
(d) Section 207, CrPC/(d) धारा 207, CrPC

31) Under the Code of Criminal Procedure 1973, a charge will be written -/दण्ड प्रक्रिया संहिता **1973** के अंतर्गत एक आरोप को लिखा जाएगा**-(Uttarakhand (CJ) 2014)**

(a) In a language which the accused understands/(a) उस भाषा मे जिसे अभियुक्त समझता है
(b) In the language which the witness speaks/(b) उस भाषा में जिसे साक्षी समक्षते हैं
(c) In the language of the court/(c) न्यायालय की भाषा में
(d) In Hindi language/(d) हिन्दी भाषा में

32)The court can change the charge -/न्यायालय आरोप में परिवर्तन कर सकता है **-(M.P. (CJ) (S-I) 2018)**

(a) Only before the prosecution concludes its evidence/(a) केवल अभियोजन की साक्ष्य समाप्त होने के पूर्व
(b) Only the Court of Appeal can alter the charge/(b) केवल अपील न्यायालय ही आरोप में परिवर्तन कर सकता है
(c) The charge cannot be changed/(c) आरोप में परिवर्तन नहीं किया जा सकता
(d) At any time before the judgment is pronounced/(d) निर्णय सुनाए जाने के पूर्व किसी भी समय

33)Under which of the following provisions of the Code of Criminal Procedure, 1973 can the accused file written statements in support of his defense?/दंड प्रक्रिया संहिता, **1973** के निम्नलिखित में से किस प्रावधान के तहत अभियुक्त अपने बचाव के समर्थन में लिखित बयान दाखिल कर सकता है**?(Bihar H.J.S. 2016)**

(a) Section 230(2)/(a) धारा 230(2)
(b) Section 231(2)/(b) धारा 231(2)
(c) Section 232(2)/(c) धारा 232(2)
(d) Section 233(2)/(d) धारा 233(2)

34) In any trial before the Sessions Court, if the Judge is of the opinion that the said offence is not triable exclusively by the Sessions Judge, then to whom will he send the case for trial?/सत्र न्यायालय के समक्ष किसी विचारण में यदि न्यायाधीश की राय है कि उक्त अपराध अनन्यतः सत्र न्यायाधीश द्वारा विचारणीय नहीं है तो यह मामले को विचारण के लिए किसे भेजेगा**?(M.P. A.P.O. 2008)**

(a) To the chief historical magician/(a) मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट को
(b) To the Judicial Magistrate of the First Class/(b) प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट को
(c) To the Additional Sessions Judge/(c) अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश को
(d) To the Chief Judicial Magistrate or any other Judicial Magistrate of the first class/(d) मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट या किसी अन्य प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट को

35)Which of the following statements is wrong?/निम्न में से कौन-सा कथन गलत है**-(M.P. (CJ) (S-II) 2018)**

(a) When the complaint is dismissed, the court must record the reasons/(a) जब परिवाद खारिज किया जाएगा, तब न्यायालय को कारणों को अभिलिखित करना होगा

(b) When the accused is discharged, it is not necessary for the Court to record the reasons in writing./(b) जब अभियुक्त को उन्मोचित किया जाएगा, तो न्यायालय को कारणों को लिखित करना आवश्यक नहीं है
(c) The court does not have to record reasons when the charge is framed./(c) जब आरोप विरचित किया जाएगा, तब न्यायालय को कारण अभिलिखित नहीं करना है
(d) When cognizance of the offence is taken, the court does not have to record reasons./(d) जब अपराध का संज्ञान लिया जाता है, तब न्यायालय को कारण अभिलिखित नहीं करना है

36)With reference to 'allegation', which statement is correct? Are? Point-1 Under the Code of Criminal Procedure, 1973, every charge states the offence with which the accused may be charged. Point-2 If in the course of the same transaction, more than one offence has been committed by the same person, he may be charged with each such offence at a single trial. Select the correct answer with the help of the code given below: Code :/'आरोप' के संदर्भ में, कौन-सा कथन सही है। हैं**?** बिंदु**-1** दंड प्रक्रिया संहिता**, 1973** के अधीन प्रत्येक आरोप में उस अपराध का कथन होता है**,** जिसका अभियुक्त पर आरोप हो सकता है। बिंदु**-2** यदि एक ही संव्यवहार के क्रम में**,** एक से अधिक अपराध एक ही व्यक्ति द्वारा किए गए हैं तो ऐसे प्रत्येक अपराध के लिए एक ही विचारण में उस पर आरोप लगाया जा सकता है। नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर चुनिए कूट **:?(U.P. (CJ) 2018)**

(a) only 1/(a) केवल 1
(b) only 2/(b) केवल 2
(c) Both 1 and 2/(c) दोनों 1 और 2
(d) Neither 1 nor 2/(d) न तो 1 और न 2

37)Errors and omissions in framing charges/आरोप तय करने में गलतियां एवं लोप**(Raj. J.L.O. 2014)**

(a) Would be material in all circumstances, would quash the trial./(a) सभी परिस्थितियों में तात्विक होगा, विचारण को निरस्त करेगा।
(b) It would be material only if it resulted in denial of justice./(b) केवल तब तात्विक होगा अगर इसके कारण न्याय नहीं हो पाया है।
(c) It will be material and the accused will be liable to be proved innocent./(c) तात्विक होगा एवं अभियुक्त निर्दोष साबित होने का दायी होगा।
(d) It would not be material even if the accused actually fell into error by mistake./(d) अगर अभियुक्त वास्तव में गलतियों से भुलावों में पड़ गया है तो भी तात्विक नहीं होगा।

38) In which sections of the Code of Criminal Procedure, the procedure for trial of warrant cases is given?/दण्ड प्रक्रिया संहिता की किन धाराओं में वारण्ट मामलों के विचारण की प्रक्रिया दी हुई है**?(M.P. A.P.O. 2008)**

(a) Section 238 to 250/(a) धारा 238 से 250 तक
(b) Section 251 to 259/(b) धारा 251 से 259 तक
(c) Section 260 to 265/(c) धारा 260 से 265 तक
(d) Section 225 to 237/(d) धारा 225 से 237 तक

39)If the Magistrate, in the trial of the warrant case, finds the accused not guilty, he-/यदि वारण्ट मामले के विचारण में मजिस्ट्रेट अभियुक्त को दोषी नहीं पाता है, तो वह**-(Jharkhand (CJ) 2012)**

(a) Will discharge him/(a) उसे उन्मोचित कर देगा
(b) Will acquit him/(b) उसे दोषमुक्त कर देगा
(c) Will convict him/(c) उसे दोषसिद्ध कर देगा
(d) Will hear the case again/(d) मामले को पुनः सुनेगा

40)During the trial and before the charge is framed, if the complainant does not appear in the court on the appointed date, then the Magistrate may…….. .accused?/विचारण के दौरान तथा आरोप के विरचित किए जाने के पूर्व यदि परिवादी, नियत तिथि को न्यायालय में उपस्थित

नहीं होता है, तो तब मजिस्ट्रेट उस अभियुक्त को**….?(Uttarakhand A.P.O. 2016)**

(a) May discharge/उन्मोचित कर सकेगा
(b) May forward the case/मामला अग्रेसित कर सकेगा
(c) May acquit/दोषमुक्त कर सकेगा
(d)All of the above/उपरोक्त सभी

41)A Magistrate may charge a person for committing an offence under section 252 or 255 of the Code of Criminal Procedure-/एक मजिस्ट्रेट दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा **252** या **255** के तहत अपराध करने का आरोप लगा सकता है**-(Jharkhand (CJ) 2015)**

(a) Under Chapter XIX Code of Criminal Procedure/(a) अध्याय XIX दण्ड प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत
(b) Under Chapter XX Code of Criminal Procedure/(b) अध्याय XX दण्ड प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत
(c) Under Chapter XXI Code of Criminal Procedure/(c) अध्याय XXI दण्ड प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत
(d) Under Chapter XV Code of Criminal Procedure/(d) अध्याय XV दण्ड प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत

42)In a summons case, the magistrate can stop the proceedings at any stage before the judgment is pronounced. In which section of the Code of Criminal Procedure, 1973, its provision has been made/समन मामले में मजिस्ट्रेट निर्णय सुनाए जाने से पूर्व किसी भी प्रक्रम पर कार्यवाही को रोक सकता है। इसका प्रावधान दण्ड प्रक्रिया संहिता**, 1973** में किस धारा में किया गया है**(M.P.A.D.P.O. 2015 Raj. A.P.O. 2011)**

(a) In section 258/(a) धारा 258 में
(b) In section 257/(b) धारा 257 में
(c) In section 259 /(c) धारा 259 में
(d) In section 209/(d) धारा 209 में

43)In the interests of justice the Magistrate has the power to try a summons case like a warrant case, in which the offence for which the case is being tried,is punishable:/न्यायहित में मजिस्ट्रेट के पास यह शक्ति है कि यह समन मामले का विचारण वारण्ट मामले की तरह कर सकता है, जिसमें उस मामले के अंतर्गत जिस अपराध के लिए विचारण हो रहा है यह दण्डनीय है:**(Uttarakhand A.P.O. 2016 M.P.H.J.S. 2016 Raj. A.P.O. 2015 U.P. A.P.O. 2005, 2011, 2007)**

(a) By imprisonment of more than 6 months/(a) 6 माह से अधिक के कारावास से
(b) By imprisonment of more than 4 months/(b) 4 माह से अधिक के कारावास से
(c) imprisonment for more than one year/(c) एक वर्ष से अधिक के कारावास से
(d) None of the above/(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

44)Which of the following courts can conduct summary trial of the crimes mentioned in Section 260 of the Code of Criminal Procedure?/दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा **260** में उल्लिखित अपराधों का संक्षिप्त विचारण निम्नलिखित न्यायालयों में से कौन कर सकता है**?(M.P.A.P.O. 2009)**

(a) Any Chief Judicial Magistrate/(a) कोई मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी
(b) Any metropolitan magistrate/(b) कोई मेट्रोपोलिटन दण्डाधिकारी
(c) Any magistrate of the first class who has been authorized by the High Court/(c) प्रथम श्रेणी का कोई दण्डाधिकारी जिसे उच्च न्यायालय द्वारा अधिकृत किया गया है
(d) All of the above/(d) उपरोक्त सभी

45)Which of the following offences cannot be tried summarily?/निम्नलिखित में से किस अपराध का संक्षिप्त विचारण नहीं किया जा सकता है**?**

(a) Of serious injury/(a) गम्भीर उपहति का
(b) Theft when the value of the stolen property. is less than Rs 200/(b) चौरी का जबकि चुराई हुई सम्पत्ति का मूल्य 200 रु. से कम है
(c) Offence under sections 454 and 456 of the Indian Penal Code/(c) भारतीय दण्ड संहिता की धारा 454 तथा 456 के अंतर्गत अपराध
(d) Crime of abetment of offence under section 260 (vii) of the Code of Criminal Procedure./(d) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 260 (vii) के अंतर्गत अपराधों के दुष्प्रेरण का अपराध

46)If the accused is convicted under summary trial, then he can be punished-/यदि संक्षिप्त विचारण के तहत अभियुक्त को दोषी ठहराया जाता है, तब उसे दंड दिया जा सकेगा**-(M.P. (CJ) (S-II) 2018, 2019)**

(a) not more than three months/(a) तीन माह से ज्यादा नहीं
(b) not more than six months/ (b) छः माह से ज्यादा नहीं
(c) not more than one year/(c) एक वर्ष से ज्यादा नहीं
(d) not more than two years/(d) दो वर्ष से ज्यादा नहीं

47)The benefit of plea bargain cannot be given to an accused if he is involved in an offence which:/प्ली बारगेन का लाभ, एक आरोपी को नहीं दिया जा सकता है, यदि वह ऐसे अपराध में लिप्त है, जिसमेंः

(a) The punishment is less than 7 years/(a) सजा 7 वर्ष से कम है
(b) The crime belongs to minor offences/(b) अपराध मामूली अपराधों से संबंधित है
(c) the offence relates to children under 14 years of age/(c) अपराध 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों से संबंधित है
(d) The offence relates to children above 14 years of age/(d) अपराध 14 वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों से संबंधित है

48) Offences which reflect the socio-economic condition of the country, to which the propositional discussion is not applicable,

will be notified -/वह अपराध जो देश की सामाजिक**-**आर्थिक स्थिति को प्रमावित करते हैं**,** जिन पर अभिवाकृ चर्चा लागू नहीं है**,** को अधिसूचित किया जाएगा**-(Raj. (CJ) 2013 U.P. H.J.S. 2018 U.P.H.J.S. (P-II) 2018 U.P.H.J.S. (P-III) 2018)**

(a) By the state government/(a) राज्य सरकार द्वारा
(b) By Scheduled Caste/Scheduled Tribe Commission/(b) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति आयोग द्वारा
(c) By Human Rights Commission/(c) मानवाधिकार आयोग द्वारा
(d) By the central government/(d) केंद्र सरकार द्वारा

49)Who among the following can apply for a plea bargain under the Code of Criminal Procedure, 1973?/दण्ड प्रक्रिया संहिता**, 1973** के अंतर्गत सौदा अभिवाक् के लिए निम्न में से कौन आवेदन कर सकता है**?(U.P. (CJ) 2015)**

(a) Public Prosecutor/(a) लोक अभियोजक
(b) Investigation Officer/(b) अन्वेषण अधिकारी
(c) a person who is a victim of crime/(c) अपराध से पीड़ित व्यक्ति
(d) Accused/(d) अभियुक्त

50) In which of the following cases video conferencing was allowed?/निम्न में से कौन**-**से मामलों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की अनुमति दी गई थी**?(Chhattisgarh (CJ) 2016)**

(a) Phillip vs Chase/(a) फिलिप बनाम चेज
(b) Brown vs. Board of Finance /(b) ब्राउन बनाम बोर्ड ऑफ फाइनांस
(c) R vs. X Justice, ex parte/(c) आर बनाम एक्स जस्टीस, एक पक्षीय (एक्स पार्ट)
(d) Polanski vs. Cod Nast Publications/(d) पोलंस्की बनाम कॉड नास्ट प्रकाशन

51)Under which section of the Act a Magistrate can issue a commission for the examination of a prisoner in prison as a witness?/मजिस्ट्रेट अधिनियम की किस धारा के तहत कारागार में किसी बन्दी की साक्षी के रूप में परीक्षा हेतु कमीशन जारी कर सकता है**?(Jharkhand (CJ) 2014)**

(a) Section 270/(a) धारा 270
(b) Section 271/(b) धारा 271
(c) Section 272 /(c) धारा 272
(d) Section 273/(d) धारा 273

52)Which of the following sections is based on the principle of 'autrefois acquit' and 'autrefois convict'?/निम्नलिखित में से कौन-सी धारा **'**ऑट्रीफोइस ऐक्क्विट**'** और **'**ऑट्रीफोइस कनविक्ट**'** के सिद्धांत पर आधारित है**?(Jharkhand (CJ) 2012, 2015)**

(a) Section 289 of the Code of Criminal Procedure/(a) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 289
(b) Section 295 of the Code of Criminal Procedure/(b) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 295
(c) Section 300 of the Code of Criminal Procedure/(c) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 300
(d) Section 327 of the Code of Criminal Procedure/(d) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 327

53)Under Section 308 of the Code of Criminal Procedure, 1973, a accomplice who does not fulfill the conditions of pardon can be tried separately for giving false evidence, but with the permission of:/दण्ड प्रक्रिया संहिता**, 1973** की धारा **308** के अंतर्गत एक सह**-** अपराधी, जो क्षमादान की शर्तों को पूरा नहीं करता, का झूठा साक्ष्य देने के लिए अलग से विचारण हो सकता है, लेकिन निम्न की अनुमति से **:(U.P. A.P.O. 2005, 2006)**

(a) Sessions Court/(a) सत्र न्यायालय

(b) High Court/ (b) उच्च न्यायालय
(c) State government/(c) राज्य सरकार
(d) Chief Justice of the High Court/(d) उच्च न्यायालय के मुख्य न्याया

54)Which provision of the Code of Criminal Procedure empowers a criminal court to recall and re-examine witnesses in a criminal case?/दंड प्रक्रिया संहिता का कौन-सा प्रावधान एक दांडिक न्यायालय को, एक आपराधिक प्रकरण में साक्षियों को पुनः बुलाने और पुनः परीक्षा करने हेतु सशक्त करता है**?(Raj(JS) 2019)**

(a) Section 217/(a) धारा **217**
(b) Section 311/ (b) धारा **311**
(c) Both (a) and (b) /(c) (a) एवं **(b)** दोनों
(d) None of the above/(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

55)Who can grant pardon to accomplice under Section 306 of the Code of Criminal Procedure?/दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा **306** के अंतर्गत सह-अपराधी को कौन क्षमादान दे सकता है**?(Uttarakhand (CJ) 2009)**

(a) Chief Judicial Magistrate only/(a) केवल मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट
(b) Metropolitan Magistrate only/(b) केवल मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट
(c) First Class Magistrate only/(c) केवल प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट
(d) All of the above/(d) उपर्युक्त सभी

56)Can an accused be a competent witness in his defence?/क्या कोई अभियुक्त अपने बचाव में सक्षम साक्षी हो सकता है**?(M.P. (CJ) 1999)**

(a) If he submits a written application on his own motion/(a) यदि वह स्वप्रेरणा से लिखित आवेदन दे
(b) cannot be a competent witness/(b) सक्षम साक्षी नहीं हो सकता
(c) With the permission of the Sessions Court/(c) सत्र न्यायालय की अनुमति से

(d) With the permission of the High Court/(d) उच्च न्यायालय की अनुमति से

57) Which Offence cannot be compounded under Section 320(2) of the Code of Criminal Procedure, 1973?/धारा **320(2)** दण्ड प्रक्रिया संहिता**, 1973** के अंतर्गत किस अपराध का शमन नहीं किया जा सकता है"**(M.P.A.D.P.O. 2015)**

(a) Abortion under section 312 of the Indian Penal Code, 1860/(a) गर्भपात करना अंतर्गत धारा 312 भारतीय दण्ड संहिता, 1860
(b) Criminal breach of trust Section 406 Indian Penal Code, 1860/(b) आपराधिक न्यास भंग धारा 406 भारतीय दण्ड संहिता, 1860
(c) Causing death by rash or negligent act Section 304A Indian Penal Code, 1860/(c) उतावलेपन या उपेक्षापूर्ण कार्य से मृत्यु कारित करना धारा 304क भारतीय दण्ड संहिता, 1860
(d) Voluntarily causing grievous hurt Section 325 Indian Penal Code, 1860/(d) स्वेच्छापूर्वक घोर उपहति कारित करना धारा 325 भारतीय दण्ड संहिता, 1860

58) The classification of compoundable and non-compoundable crimes under the Code of Criminal Procedure is-/ शमनीय तथा अशमनीय अपराधों का वर्गीकरण दण्ड प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत है**-(Uttaranchal (CJ) 2005, 2013, 2014 U.P. A.P.O. (Pre) 2011 Raj. J.L.O. 2014)**

(a) In the first schedule/(a) प्रथम अनुसूची में
(b) In the Second Schedule/(b) द्वितीय अनुसूची में
(c) Section 321 Cr.P.C. /(c) धारा 321 सीआर.पी.सी.
(d) Section 320 Cr.P.C./(d) धारा 320 सी.आर.पी.सी.

59)A public servant 'A'. While bearing the responsibility of translating the document, he does a wrong translation of the document with the intention of causing harm. The offence committed by A is:/एक लोकसेवक अ**.** दस्तावेज का अनुवाद करने का भार

वहन करते हुए, दस्तावेज का अशुद्ध अनुवाद व को क्षति कारित करने के आशय से करता है। अ द्वारा किया गया अपराध है:**(U.P.H.J.S. (P-II) 2018)**

(a) Non-cognizable/(a) असंज्ञेय
(b) Non-bailable /(b) अजमानतीय
(c) Non-compoundable/(c) अशमनीय
(d) All of the above/(d) उपरोक्त सभी

60)Which of the following offences cannot be compounded by persons?/निम्नलिखित में से कौन अपराध व्यक्तियों द्वारा शमन नहीं किया जा सकता**?(U.P.A.P.O. (Spl.) 2007)**

(a) To cause hurt /(a) चोट पहुंचाना
(b) Adultery / (b) जारता
(c) House trespass/(c) गृह अतिक्रमण
(d) Counterfeit coin/(d) कूटकृत सिक्का

61)When a person refuses to answer questions or produce documents in the court, how much imprisonment can he be given under Section 349 of the Code of Criminal Procedure, 1973?/जब कोई व्यक्ति न्यायालय में प्रश्न का उत्तर देने या दस्तावेज पेश करने से मना कर देता है, तो उसे दण्ड प्रक्रिया संहिता, **1973** की धारा **349** में कितने कारावास का दण्ड दिया जा सकता है**?(Uttarakhand (CJ) 2016 U.P.A.P.O. 2005, 2007)**

(a) Up to 6 months/6 मास तक का
(b) up to 1 year/1 वर्ष तक का
(c) up to 3 years/3 वर्ष तक का
(d) up to 7 days/7 दिन तक का

62)Which of the following sections of the Code of Criminal Procedure does not provide for 'Victim Compensation

Scheme'?/दंड प्रक्रिया संहिता की निम्नलिखित कौन-सी धारा 'पीड़ित प्रतिकर स्कीम' का उपबंध नहीं करती है**?(Uttarakhand (CJ) 2019)**

(a) Section 357/धारा 357
(b) Section 357A/धारा 357A
(c) Section 357C/धारा 357C
(d) Section 357B/धारा 357B

63)Who can be released on probation of good conduct under Section 360 of the Code of Criminal Procedure?/दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा **360** के अंतर्गत सदाचरण की परिवीक्षा पर किसे छोड़ा जा सकता है**?(M.P. A.P.O. 2008)**

(a) A person who is not less than twenty-one years of age/ जो व्यक्ति इक्कीस वर्ष से कम आयु का नहीं है
(b) A person who is under twenty-one years of age/जो व्यक्ति इक्कीस वर्ष से कम आयु का है
(c) A woman/कोई स्त्री
(d) All of the above/ उपर्युक्त सभी

64) A person who has been arrested without any reason, may be given such compensation, as the Magistrate thinks fit, for the loss of his time and expense in this regard, from the person who caused the arrest, by the Magistrate hearing the case./निराधार गिरफ्तार करवाए गए व्यक्ति को इस संबंध में उसके समय की हानि और व्यय के लिए:रुपये से अनधिक इतना प्रतिकर, जितना मजिस्ट्रेट ठीक समझे, मामले की सुनवाई करने वाले मजिस्ट्रेट द्वारा गिरफ्तार कराने वाले व्यक्ति से दिलाया जा सकेगा।**(M.P. (CJ) 2002)**

(a) one hundred/एक सौ
(c) three hundred/तीन सौ
(b) five hundred/पांच सौ
(d) one thousand/एक हजार

65)An order passed under Section 125 of Cr.P.C can be challenged by the unsuccessful party by filing a re-vision-/दं.प्र.सं.की धारा **125** के तहत पारित आदेश को असफल पक्ष द्वारा पुनरीक्षण दायर करके चुनौती दी जा सकती है**-**

(a) only before Chief Judicial Magistrate/ केवल मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष
(b) only before Sessions Judge/केवल सत्र न्यायाधीश के समक्ष
(c) only before High Court/केवल उच्च न्यायालय के समक्ष
(d) Either before the Sessions Judge or High Court./या तो सत्र न्यायाधीश या उच्च न्यायालय के समक्ष।

66)After conviction, when can the trial court release the accused on bail under Section 389 (3) of the Code of Criminal Procedure?/दोषसिद्धि के बाद धारा **389 (3)** दण्ड प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत विचारण न्यायालय अभियुक्त को कब जमानत पर छोड़ सकता है**....?(M.P. (CJ) 2016 M.P. (CJ) (S-II) 2018)**

(a) When the accused is on bail and the imprisonment does not exceed three years/जब अभियुक्त जमानत पर हो तथा कारावास तीन वर्ष से अधिक न हो
(b) When the accused is on bail and the imprisonment does not exceed five years/जब अभियुक्त जमानत पर हो तथा कारावास पांच वर्ष से अधिक न हो
(c) When the accused is on bail and the imprisonment does not exceed four years/जब अभियुक्त जमानत पर हो तथा कारावास चार वर्ष से अधिक न हॉ
(d) When the accused is on bail and the imprisonment does not exceed two years/जब अभियुक्त जमानत पर हो तथा कारावास दो वर्ष से अधिक न हो

67)Which of the following irregularities committed by a Magistrate, for which he is not empowered by law, vitiates the proceedings?/मजिस्ट्रेट द्वारा की गई निम्नलिखित में से कौन-सी अनियमितता, जिसके लिए वह विधि द्वारा सशक्त नहीं है, कार्यवाही को दूषित करती है**?(Raj. (CJ) 2015 U.P.H.J.S. (P-III) 2018 U.P.H.J.S. (P-II) 2018)**

(a) Conducted Inquest under section 176 of the Code of Criminal Procedure/दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 176 के तहत की गई जांच
(b) Make over a case under sub-section (2) of section 192 of the Code of Criminal Procedure/दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 192 की उपधारा (2) के अधीन किसी मामले को हवाले करना
(c) Taking cognizance of any offence under clause (c) of sub-section (1) of section 190 of the Code of Criminal Procedure/दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 190 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) के अधीन किसी अपराध का प्रसंज्ञान करना
(d) To tender pardon to the accomplice under section 306 of the Code of Criminal Procedure./दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 306 के अधीन सह-अपराधी को क्षमादान करना।

68)If the presiding judge of a court does not sign the judgment, then-/यदि किसी न्यायालय का पीठासीन न्यायाधीश निर्णय में हस्ताक्षर नहीं करता, तो यह**-(U.P. A.P.O. 2015)**

(a) There is an incurable procedural irregularity./असाध्य प्रक्रियात्मक अनियमितता है।
(b) It is a practicable procedural irregularity under Section 465 (1) of the crpc/दं.प्र.सं. की धारा 465 (1) के अधीन साध्य प्रक्रियात्मक अनियमितता है।
(c) There is an elemental irregularity./तात्विक अनियमितता है।
(d) Illegality./ अविधिकता है।

69)A criminal proceeding which is not compoundable may be quashed -/69)एक दांडिक कार्यवाही जो शमनीय नहीं है, अभिखंडित की जा सकती है**-(U.P. (CJ) 2018)**

(a) By Judicial Magistrate of the first class/(a) प्रथम वर्ग न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा
(b) By the District and Sessions Judge/(b) जिला एवं सेशन न्यायाधीश द्वारा
(c) By the High Court/(c) उच्च न्यायालय द्वारा
(d) By the Supreme Court/(d) सर्वोच्च न्यायालय द्वारा

70) How many years of imprisonment will the government be able to reduce the sentence of life imprisonment?/आजीवन कारावास के दण्डादेश को सरकार कितने वर्षों के कारावास में लघुकृत कर सकेगी**?(Chhattisgarh (CJ) 2003)**

(a) 20 years/20 वर्ष
(b) 18 years/ 18 वर्ष
(c) 14 years/ 14 वर्ष
(d) 12 years/12 वर्ष

RAJASTHALI
LAW INSTITUTE

RAJASTHALI
LAW INSTITUTE

RAJASTHALI
LAW INSTITUTE

Answer key

1-c
2-b
3-d
4-b
5-d
6-a
7-a
8-a
9-d
10-a
11-c
12-a
13-c
14-d
15-d
16-b
17-a
18-c
19-a
20-b
21-a
22-d
23-c
24-d
25-a
26-c
27-a

RAJASTHALI
LAW INSTITUTE

28-d
29-d
30-b
31-c
32-d
33-d
34-d
35-b
36-c
37-b
38-a
39-b
40-a
41-b
42-a
43-a
44-d
45-a
46-a
47-c
48-d
49-d
50-d
51-b
52-c
53-b
54-c
55-d
56-a
57-c
58-d
59-c
60-d

RAJASTHALI
LAW INSTITUTE

61-d
62-c
63-d
64-d
65-d
66-a
67-c
68-b
69-c
70-c

RAJASTHALI
LAW INSTITUTE